नमक के हाथ

जेन चेल्सी, चित्र: टेड

एक चांदनी गर्मी की रात में, एक युवा लड़की अपने यार्ड में एक हिरण को खोजने के लिए जागती है. अपने हाथों में नमक भरकर, वो अपनी भेंट लेकर बाहर जाती है. वो इंतजार करती है क्योंकि वो कोमल प्राणी उसके करीब और करीब आता है.

नमक के हाथ

जेन चेल्सी, चित्र: टेड

रात में
मैं जाग गई.

मैंने बाहर कुछ सरसराहट
और सांस जैसी आवाज़ सुनी.

नाशपाती के पेड़ के नीचे एक
हिरण खड़ा था. चन्द्रमा की
किरणों से उसके सींगों की परछाई
ज़मीन पर थिरक रही थी .

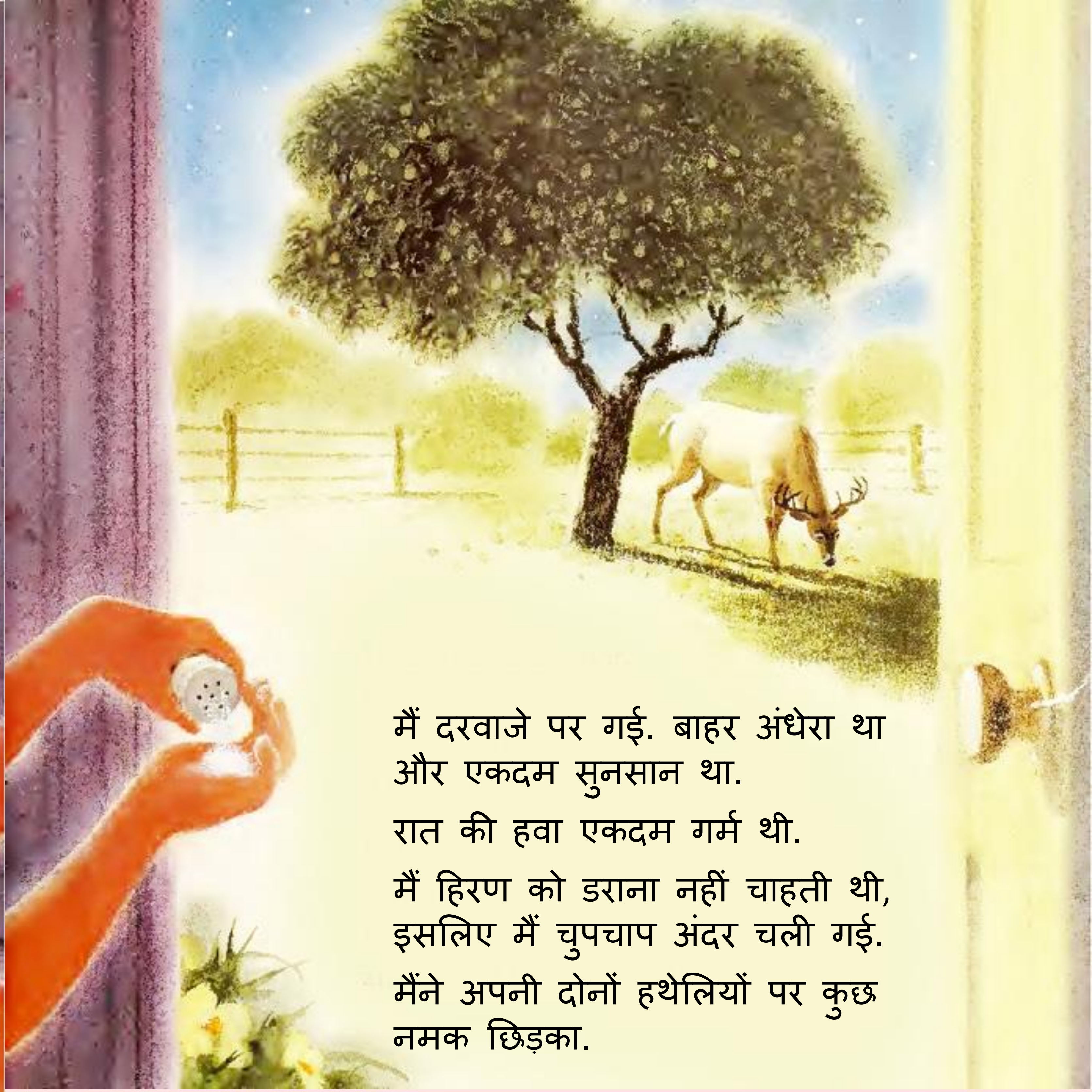

मैं दरवाजे पर गई. बाहर अंधेरा था और एकदम सुनसान था.

रात की हवा एकदम गर्म थी.

मैं हिरण को डराना नहीं चाहती थी, इसलिए मैं चुपचाप अंदर चली गई.

मैंने अपनी दोनों हथेलियों पर कुछ नमक छिड़का.

फिर मैं दबे पांव बाहर गई
और चुपचाप हिरण की ओर बढ़ी.
उसने मेरी ओर देखा.
उसकी आंखें बड़ी-बड़ी और भूरी थीं.
वो बहुत देर तक मुझे घूरता रहा.

मैं घास पर लेट गई. हिरण ने अपनी सफेद पूंछ आगे-पीछे हिलाई. मैंने उसके लिए धीमे से एक गीत गाया.

हिरण एक गिरी हुई नाशपाती को कुतरता रहा.

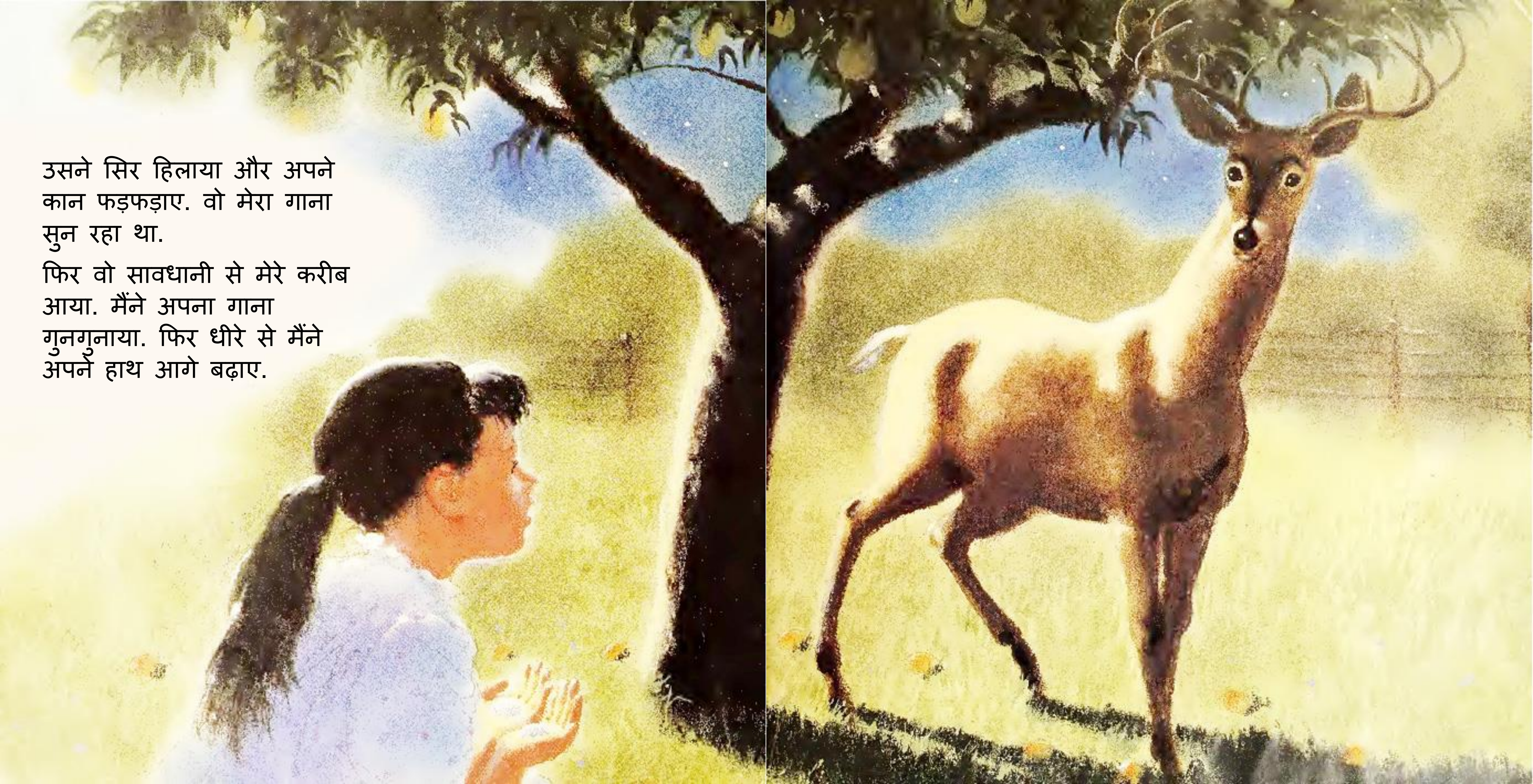

उसने सिर हिलाया और अपने कान फड़फड़ाए. वो मेरा गाना सुन रहा था.

फिर वो सावधानी से मेरे करीब आया. मैंने अपना गाना गुनगुनाया. फिर धीरे से मैंने अपने हाथ आगे बढ़ाए.

मैं घास पर शांति से बैठी रही. मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था. मैं नहीं चाहती थी कि वो भाग जाए.

मेरे पास आने पर हिरण ने कोई आवाज नहीं की. वो मेरे बहुत करीब आया.

मैंने उसकी ओर देखा. अब मैं उसकी आँखों में देख सकती थी. उसकी आँखें कोमल थीं और मुझे पता था कि वो मुझ से डर नहीं रहा था.

उसने शांति से अपना सिर नीचे किया
और मेरे हाथों को सूँघा. फिर उसने
नमक का स्वाद चखा.

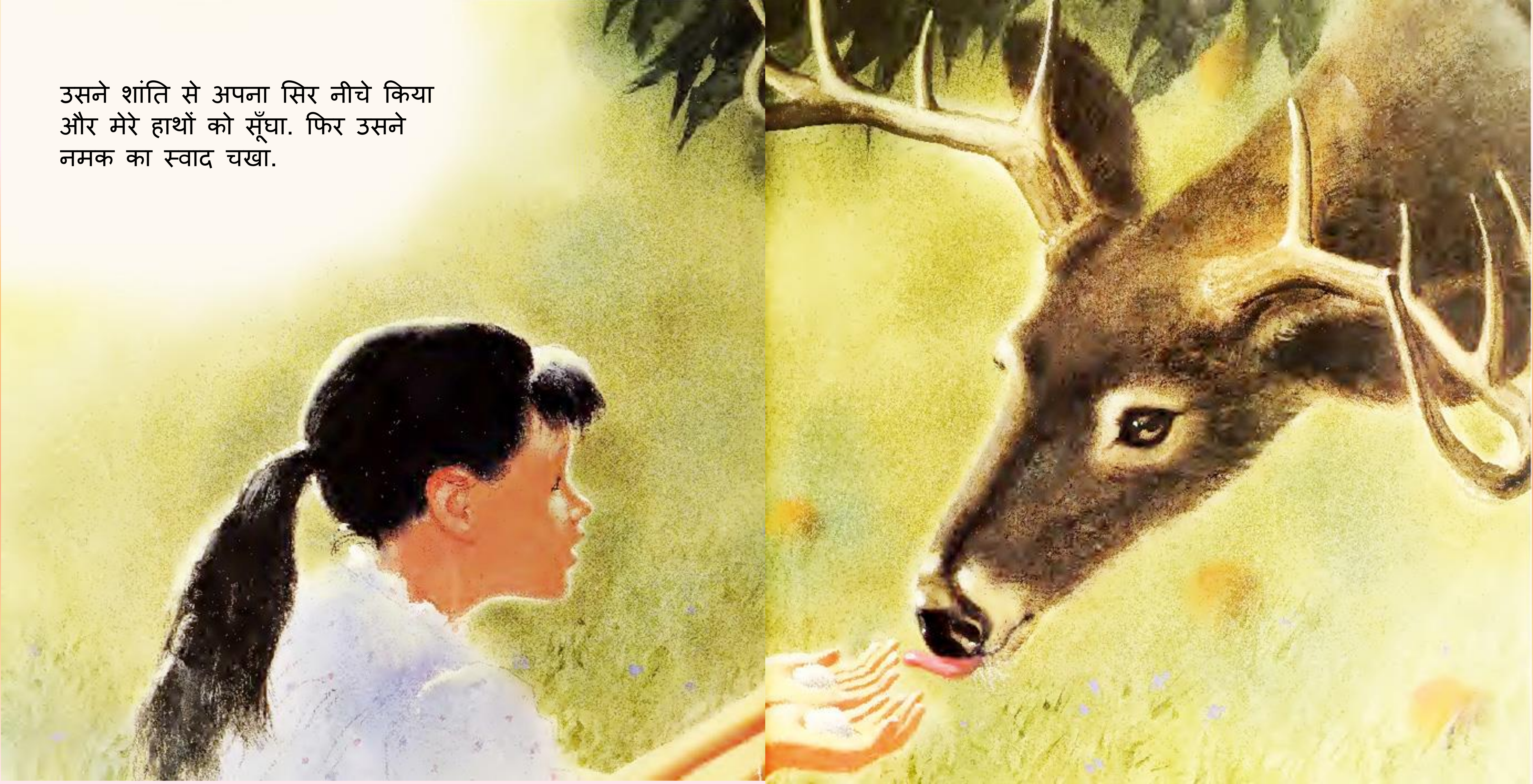

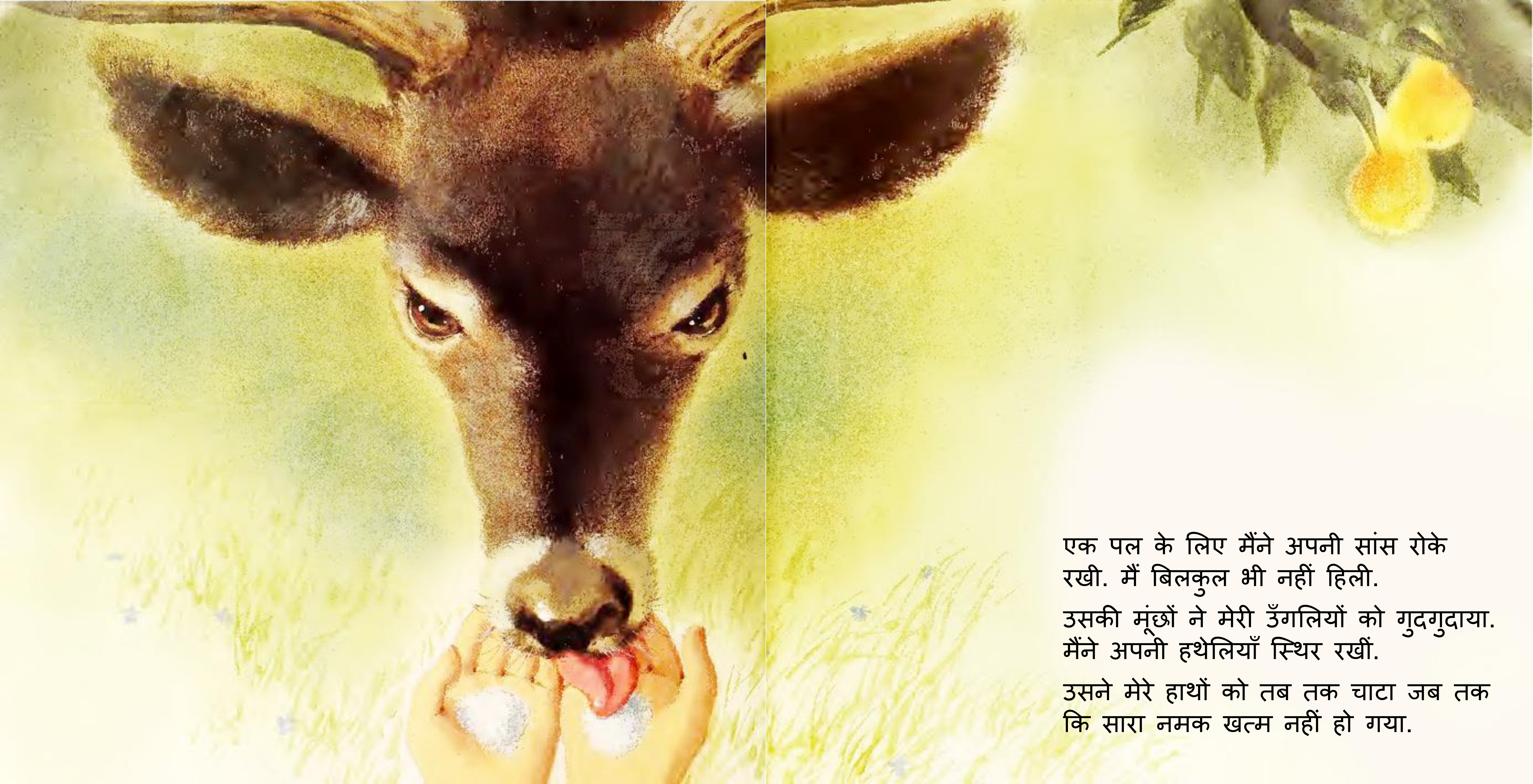

एक पल के लिए मैंने अपनी सांस रोके रखी. मैं बिलकुल भी नहीं हिली.

उसकी मूंछों ने मेरी उँगलियों को गुदगुदाया. मैंने अपनी हथेलियाँ स्थिर रखीं.

उसने मेरे हाथों को तब तक चाटा जब तक कि सारा नमक खत्म नहीं हो गया.

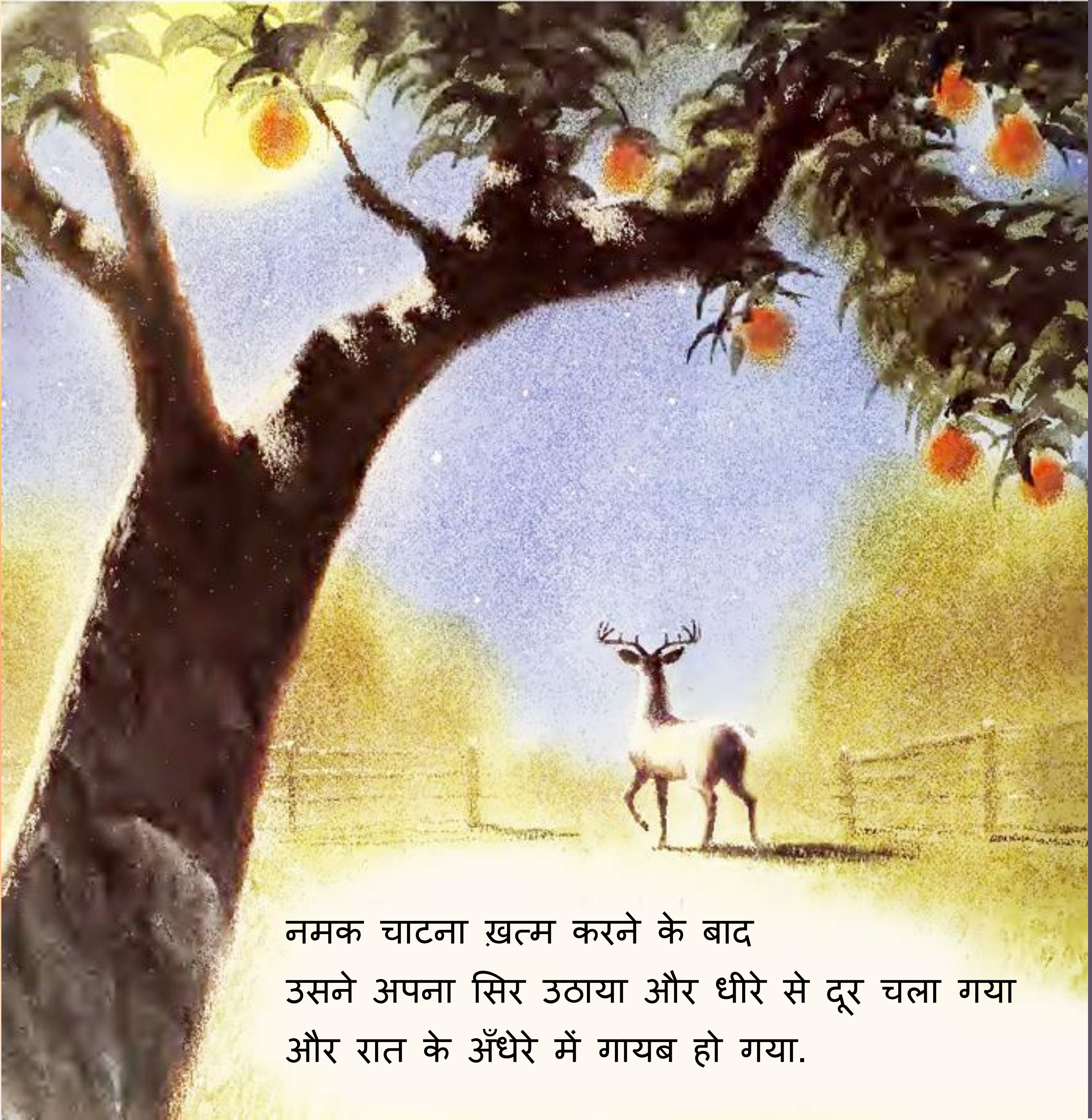

नमक चाटना ख़त्म करने के बाद
उसने अपना सिर उठाया और धीरे से दूर चला गया
और रात के अँधेरे में गायब हो गया.